नेथ्रन की

कहानी

नेथ्रन जीता, सीखता, बढ़ता एवं सभी के साथ खेलता है

बधिरांधता

पर जागरूकता सामग्री

श्रीमती एल.वी. जयश्री
निदेशक, एसपीएएसटीएन
के द्वारा

बधिरांधता पर कॉमिक पुस्तक की संकल्पना

श्रीमती के. सनम नायर, आरएलसी समन्वयक, एसपीएएसटीएन: द्वारा विकसित किया गया

हम इस जागरूकता सामग्री को, जो एक कॉमिक पुस्तक के रूप में प्रस्तुत की गई है, मुख्यधारा के विध्यालयी कार्यक्रम के शिक्षकों को संवेदनशील बनाने के लिए समर्पित करते हैं, जिससे बधिरांधता बच्चों को मुख्यधारा के विद्यालयी शिक्षा में शामिल करने के लिए कुछ त्वरित उपाय प्रदान किए जा सकें।

स्पास्टिक्स सोसाइटी ऑफ तमिलनाडु (एसपीएएसटीएन), बधिरांधता क्षेत्रीय शिक्षण केंद्र के लिए, सामग्री विकास में सहयोग, प्रतिक्रिया एवं मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए सेंस इंटरनेशनल इंडिया का हार्दिक धन्यवाद करता है।

वित्तपोषित

Azim Premji Philanthropic Initiatives

द स्पास्टिक्स सोसाइटी ऑफ़ तमिलनाडु
(एसपीएएसटीएन)

बधिरांधता के लिए दक्षिण क्षेत्रीय शिक्षण केंद्र (आरएलसी)
द स्पास्टिक्स सोसाइटी ऑफ़ तमिलनाडु (SPASTN)
सीएसआईआर रोड, तारामणि, चेन्नई - ६०० ११३
फोन: २२५४१६५१, २२५४१५४२ | फैक्स: २२५४१०४७
ईमेल: thespasticssocietyoftamilnadu@gmail.com
spastnrlc@gmail.com | वेबसाइट: www.spastn.org

कुमार एक सब्ज़ी विक्रेता हैं और उनकी पत्नी घरेलू सहायिका के रूप में काम करती हैं। उनके दो बच्चे हैं – पूजा और नेथ्रन। पूजा उनकी बड़ी बेटी है जिसकी उम्र 11 साल है और नेथ्रन उनका बेटा है जिसकी उम्र लगभग 9 साल है। नेथ्रन को एक विशेष विद्यालय द्वारा बधिरांधता से ग्रसित बालक के रूप में पहचाना गया था। कुमार चाहते थे कि उनके दोनों बच्चे अच्छी शिक्षा प्राप्त करें। दोनों बच्चे सर्व शिक्षा अभियान (SSA) विद्यालय में पढ़ते हैं। आइए जानते हैं नेथ्रन की प्रेरणादायक कहानी और किस तरह उसने सीमित दृष्टि और सुनने की क्षमता के बावजूद शिक्षा पाने की ठानी।

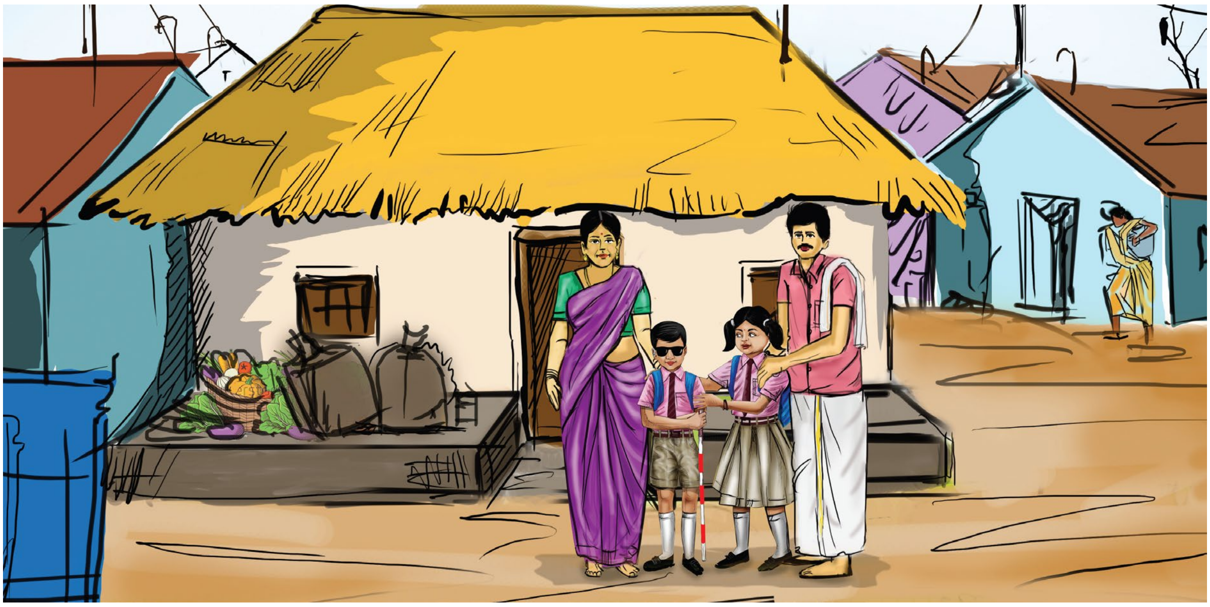

नमस्ते संध्रा, यह मेरा भाई नेत्रन है।
नमस्ते संध्रा, तुमसे मिलकर ख़ुशी हुई

मुझे भी नेत्रन, तुम्हारा हमारे विद्यालय में
धन्यवाद संध्या !

ठीक है मित्रों, तुम चलो, मैं अपनी कक्षा में जा रहा हूँ।

हाय पूजा एवं संध्या.. नेत्रन कहाँ है? क्या वह आज विद्यालय आया है..? मैंने उसे आज विद्यालय में नहीं देखा!

सुप्रभात!! आरती मैम..! हाँ!! मैम, वह आया है। वह कभी विद्यालय आना नहीं छोड़ता। शायद वह कक्षा में होगा

शुभ प्रभात मैंम !!

चलो बच्चों! कक्षा में मिलते हैं।

नमस्ते पूजा! मैंने अभी देखा कि नेत्रन बिना किसी सहायता के पुस्तकालय से अपनी कक्षा में जा रहा था, क्योंकि उसे विद्यालय परिसर/गतिविधि का अच्छा ज्ञान है और इसलिए वह स्वतंत्र रूप से जा है। यह देखकर वास्तव में अच्छा लगा..!
SPECTACLES
HEARING AID

वह अपने आसपास की चीजों को कैसे समझता एवं पहचानता है?.... यह लाख टके का सवाल है, जिसे जानने की मेरी उत्सुकता है।

क्या आप सभी यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि नेत्रन विद्यालय, खेल के मैदान, बाहर एवं घर में हमारे साथ कैसे घुल-मिल जाता है? कुछ हफ्तों तक, मैंने उसे विद्यालय एवं विभिन्न स्थानों जैसे कि कक्षा, भोजन कक्ष, पुस्तकालय,क्रीड़ा स्थल, प्रार्थना स्थल आदि की पहचान कराई, जिससे उसे आसानी से घूमने-फिरने में मदद मिल सके।

सहायक उपकरण वैसे ही होते हैं, जैसे हमारे दोस्त चश्मा पहनते हैं। सहायक उपकरण विकलांगजनों को उनका काम आसानी से करने में मदद करते हैं। मैंने बोर्ड पर कुछ उपकरणों के चित्र बनाए हैं, जो मुख्य रूप से दृष्टिबाधित / श्रवणबाधित / बधिरांध व्यक्तियों द्वारा उपयोग किए जाते हैं।

DATE;
चश्मा
श्रवण यंत्र
छड़ी
आवर्धक काँच
BRAILLE
हम्म! रोचक!!! तो नेत्रन सहायक उपकरण के रूप में चश्मा, श्रवण यंत्र एवं छड़ी का उपयोग करता है... क्या मैं सही कह रही हूँ, पूजा..?

मेरी बैसाखियाँ एवं व्हीलचेयर सहायक उपकरण हैं।

चलो, मैं तुम्हें नेत्रन की कक्षा में ले चलती हूँ।

हाय!!
पूजा दीदी..!

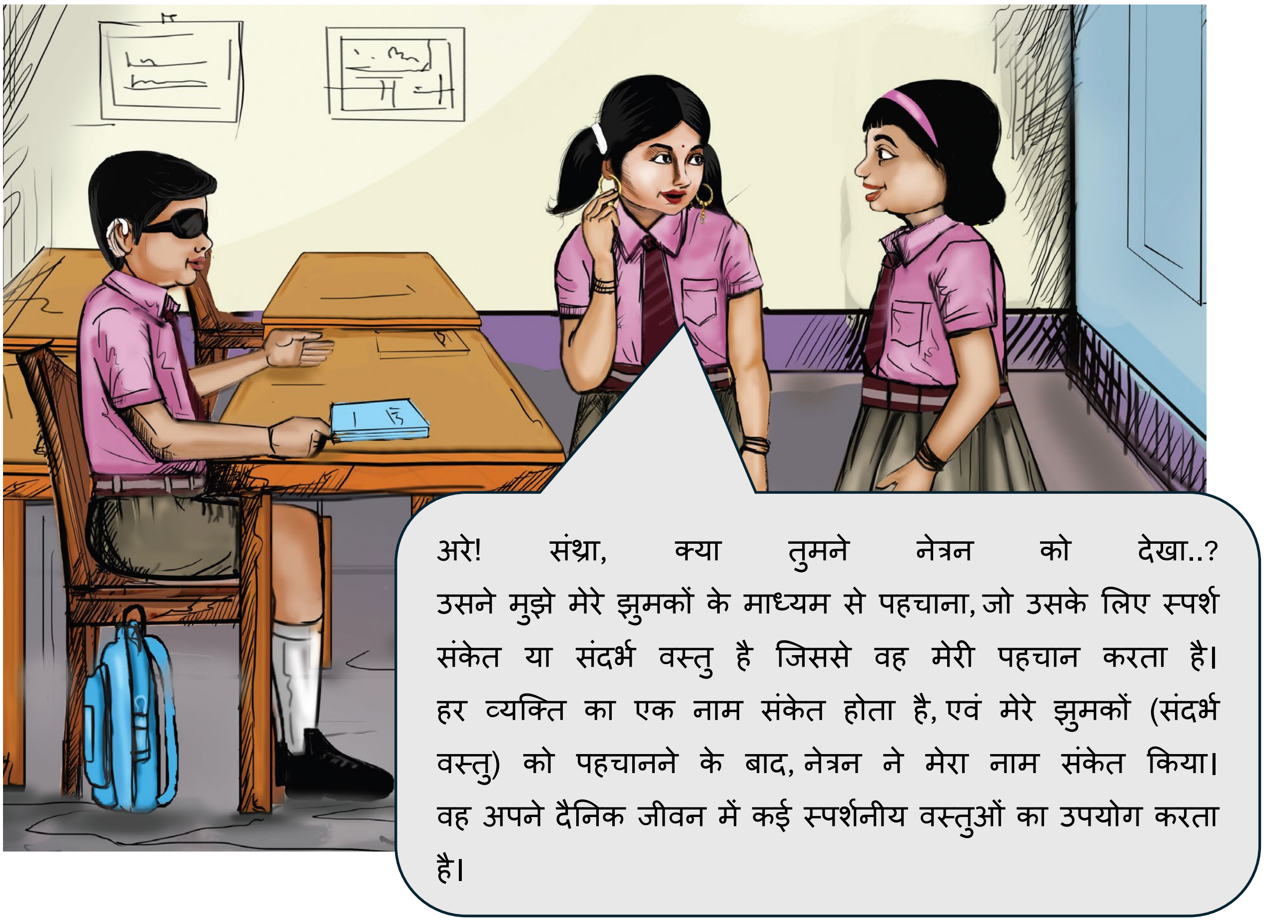
अरे! संध्रा, क्या तुमने नेत्रन को देखा..? उसने मुझे मेरे झुमकों के माध्यम से पहचाना, जो उसके लिए स्पर्श संकेत या संदर्भ वस्तु है जिससे वह मेरी पहचान करता है। हर व्यक्ति का एक नाम संकेत होता है, एवं मेरे झुमकों (संदर्भ वस्तु) को पहचानने के बाद, नेत्रन ने मेरा नाम संकेत किया। वह अपने दैनिक जीवन में कई स्पर्शनीय वस्तुओं का उपयोग करता है।

हाय
संध्रा! मेरे लिए संदर्भ वस्तु मेरी चूड़ियाँ हैं, जिससे नेत्रन मेरी पहचान करता है। नेत्रन स्पर्श संकेतों के माध्यम से अपने सहपाठियों की कुर्सियों की भी पहचान करता है!! अद्भुत है, है ना!! मैं हमेशा अपने बाकी छात्रों को नेत्रन को देखने एवं समझने के लिए प्रेरित करती हूँ!! तुम भी ऐसा ही करो!!

संध्रा!! ध्यान से देखने पर, नेत्रन और कौन-कौन से स्पर्श संकेतों का उपयोग करता है? इसे जानने के लिए चलो बाहर चलते हैं।
ज़रूर, पूजा!!

देखो, दरवाजे पर बंधी हुई कलम है, जो उसकी कक्षा, उसके सहपाठियों एवं थेरेपी रूम की पहचान के लिए एक संदर्भ वस्तु है। उसके सहपाठी यह सुनिश्चित करते हैं कि वे इन वस्तुओं का नियमित रूप से उपयोग करें, जिससे नेत्रन को कोई कठिनाई न हो। वह अपनी कक्षा में अपनी दिनचर्या के लिए एक कैलेंडर प्रणाली का भी उपयोग करता है।

हाँ!! मैम, यह एक अच्छी योजना है।

तो संध्या! मुझे बताओ कि तुम्हारे लिए स्पर्श संकेत या संदर्भ वस्तु क्या है?

हम्म...मेरी संदर्भ वस्तु वह अंगूठी होगी, जिसे मैं अपनी अनामिका उंगली में पहनती हूँ..!
संदर्भ वस्तुएँ प्रतीक प्रणाली का हिस्सा होती हैं, जो बधिरांध व्यक्तियों को यह पहचानने में मदद करती हैं कि वे कहाँ हैं या आगे क्या होने वाला है। जैसे – चम्मच भोजन या नाश्ते के समय को दर्शाने के लिए, क्रेयॉन चित्र बनाने के लिए,गेंद बाहर खेलने का संकेत देने लिए।

हाँ, यह बिल्कुल सही है पूजा, क्योंकि मैंने देखा है कि नेत्रन अब कम चिंतित रहता है एवं हम पर कम निर्भर रहता है!!

कैलेंडर प्रणाली क्या है, जिसका उल्लेख शिक्षिका आरती ने किया। चलते-चलते नेत्रन की कक्षा तक हम इस बारे में बात कर सकते हैं..!

मैम, क्या आप संध्रा को कैलेंडर प्रणाली के बारे में और बता सकती हैं?

ज़रूर, मैं तुम्हें समझाती हूँ संध्रा...

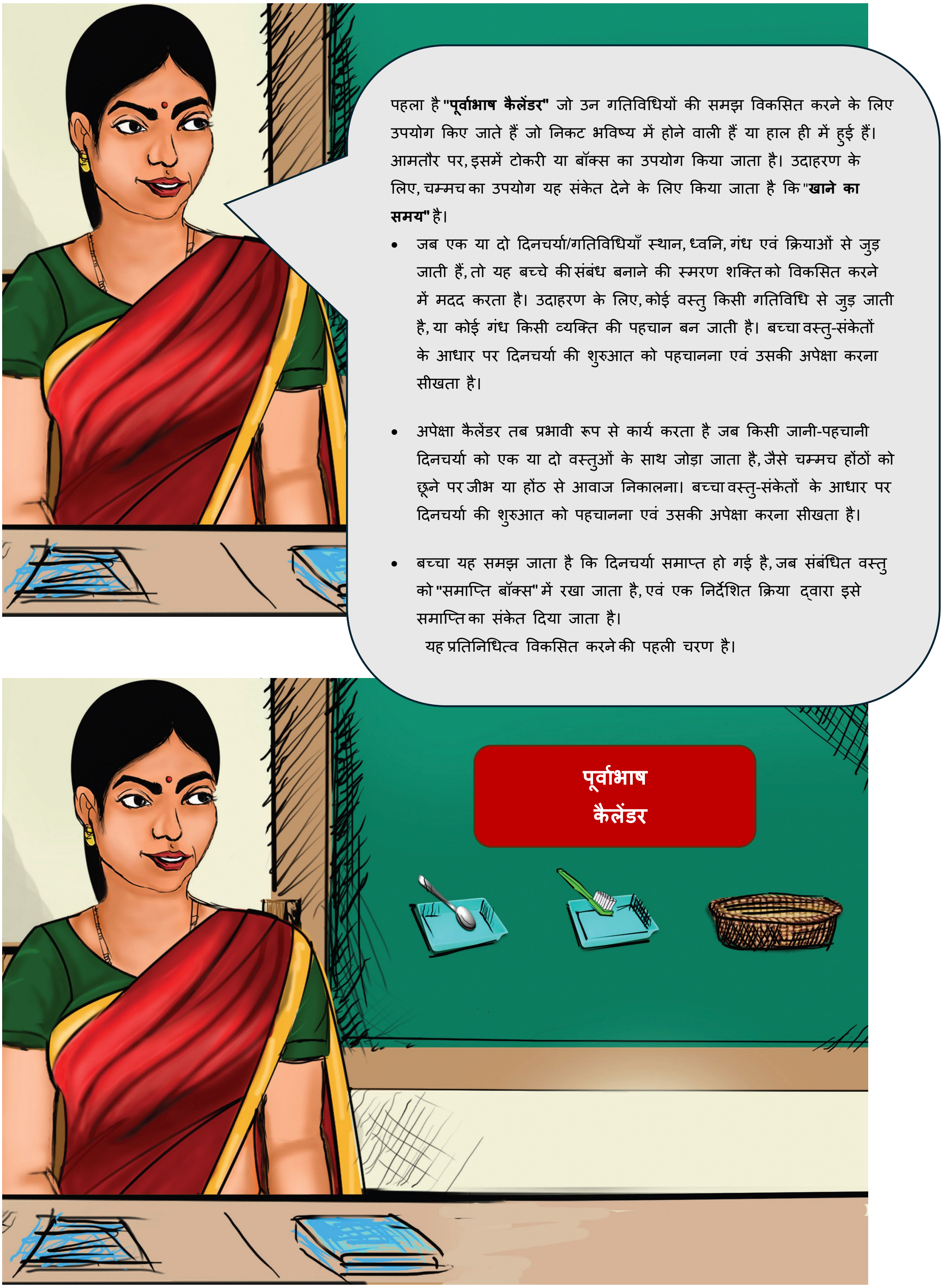

पहला है "**पूर्वाभास कैलेंडर**" जो उन गतिविधियों की समझ विकसित करने के लिए उपयोग किए जाते हैं जो निकट भविष्य में होने वाली हैं या हाल ही में हुई हैं। आमतौर पर, इसमें टोकरी या बॉक्स का उपयोग किया जाता है। उदाहरण के लिए, चम्मच का उपयोग यह संकेत देने के लिए किया जाता है कि "**खाने का समय**" है।
- जब एक या दो दिनचर्या/गतिविधियाँ स्थान, ध्वनि, गंध एवं क्रियाओं से जुड़ जाती हैं, तो यह बच्चे की संबंध बनाने की स्मरण शक्ति को विकसित करने में मदद करता है। उदाहरण के लिए, कोई वस्तु किसी गतिविधि से जुड़ जाती है, या कोई गंध किसी व्यक्ति की पहचान बन जाती है। बच्चा वस्तु-संकेतों के आधार पर दिनचर्या की शुरुआत को पहचानना एवं उसकी अपेक्षा करना सीखता है।
- अपेक्षा कैलेंडर तब प्रभावी रूप से कार्य करता है जब किसी जानी-पहचानी दिनचर्या को एक या दो वस्तुओं के साथ जोड़ा जाता है, जैसे चम्मच होंठों को छूने पर जीभ या होंठ से आवाज निकालना। बच्चा वस्तु-संकेतों के आधार पर दिनचर्या की शुरुआत को पहचानना एवं उसकी अपेक्षा करना सीखता है।
- बच्चा यह समझ जाता है कि दिनचर्या समाप्त हो गई है, जब संबंधित वस्तु को "समाप्ति बॉक्स" में रखा जाता है, एवं एक निर्देशित क्रिया द्वारा इसे समाप्ति का संकेत दिया जाता है।

यह प्रतिनिधित्व विकसित करने की पहली चरण है।
पूर्वाभास
कैलेंडर

क्या आप मुझे कैलेंडर प्रणालियों के कुछ और उदाहरण दे सकते हैं?

दैनिक कैलेन्डर
दैनिक कैलेंडर का उपयोग मैं नेत्रन के साथ अपनी कक्षा में करती हूँ। यह उन गतिविधियों की अवधारणा प्रस्तुत करता है, जो दिनभर स्कूल में होने वाली हैं, जिससे गतिविधियों के क्रम को सिखाया जाता है, जैसे सर्कल टाइम के बाद पूर्व-लेखन कौशल आता है। इस प्रकार, वह वस्तुओं, लोगों एवं गतिविधियों की बुनियादी शब्दावली विकसित करता है। नेत्रन का आईईपी दैनिक कैलेंडर का उपयोग करके किया जा सकता है।
नेत्रन को अब समय की अच्छी समझ हो गई है, वह विकल्प चुनने में सक्षम है एवं लोगों या वस्तुओं को दिखाकर प्रश्नों का उत्तर दे सकता है। मैं अक्सर सेंस इंटरनेशनल इंडिया, हेलेन केलर स्कूल फॉर डेफब्लाइंड, ओरेगन डेफब्लाइंड प्रोजेक्ट, और पर्किन्स पाथ्स टू लिटरेसी की वेबसाइट पर जाती हूँ जिससे शिक्षण एवं सीखने के विचार प्राप्त कर सकूँ।

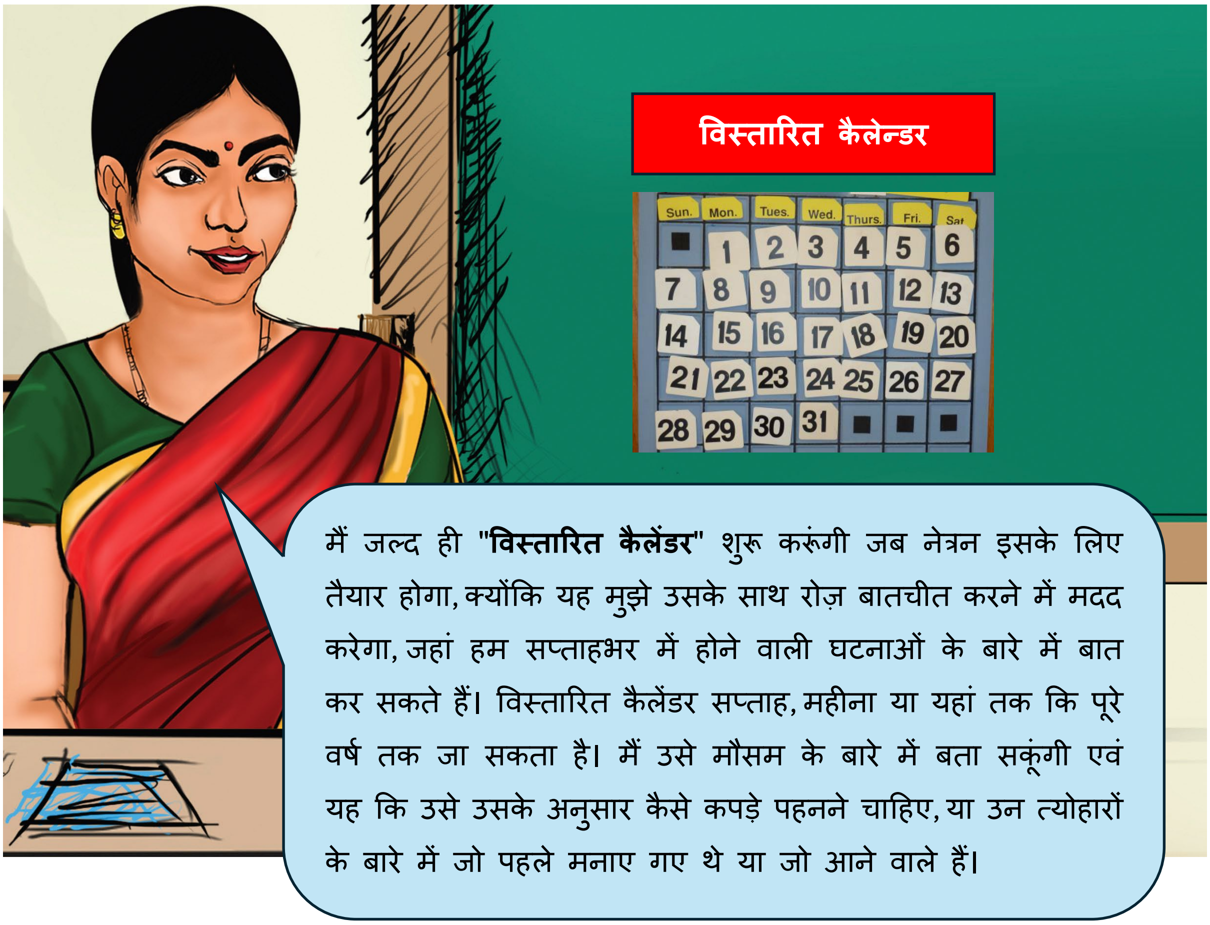
विस्तारित कैलेन्डर
Sun. Mon. Tues. Wed. Thurs. Fri. Sat
मैं जल्द ही "**विस्तारित कैलेंडर**" शुरू करूंगी जब नेत्रन इसके लिए तैयार होगा, क्योंकि यह मुझे उसके साथ रोज़ बातचीत करने में मदद करेगा, जहां हम सप्ताहभर में होने वाली घटनाओं के बारे में बात कर सकते हैं। विस्तारित कैलेंडर सप्ताह, महीना या यहां तक कि पूरे वर्ष तक जा सकता है। मैं उसे मौसम के बारे में बता सकूंगी एवं यह कि उसे उसके अनुसार कैसे कपड़े पहनने चाहिए, या उन त्योहारों के बारे में जो पहले मनाए गए थे या जो आने वाले हैं।

ठीक है... अब मैं समझ गई कि बधिरांध बच्चे अपनी दैनिक गतिविधियों एवं भविष्य की योजनाओं को कैसे निर्धारित एवं व्यवस्थित करते हैं।

संध्रा !! कल्पना ज्ञान से अधिक महत्वपूर्ण है। क्या मैं सही कह रही हूँ, बच्चो? तो मुझे बताओ कि बधिरांध बच्चे कैसे संवाद करते हैं। संदर्भ वस्तुएँ कोई संवाद उपकरण नहीं हैं, बल्कि यह बधिरांध बच्चों एवं वयस्कों को समय, गतिविधियों की अवधारणा बनाने एवं
यह अनुमान लगाने में मदद करती हैं कि आगे क्या होने वाला है। मुझे लगता है कि पूजा अपने ज्ञान को साझा करेगी...

एक दिन मैं बधिरांध बच्चों की शिक्षिका बनना चाहती हूँ।

मैं नेत्रन के द्वारा प्रयोग किए जाने वाले एक तरीके को जानती हूँ| जिसे “**स्पर्शीय सांकेतिक भाषा**’ कहते हैं। चलो नेत्रन को पढ़ाने वाली विशेष शिक्षिका से मिलने चलें।

मैम, शुभ संध्या।
मेरी मित्र यह जानना चाहती है कि बधिरांध लोग कैसे संवाद करते हैं।
वह भी आपके जैसी एक **विशेष शिक्षिका** बनना चाहती है।

नमस्ते मैम!!

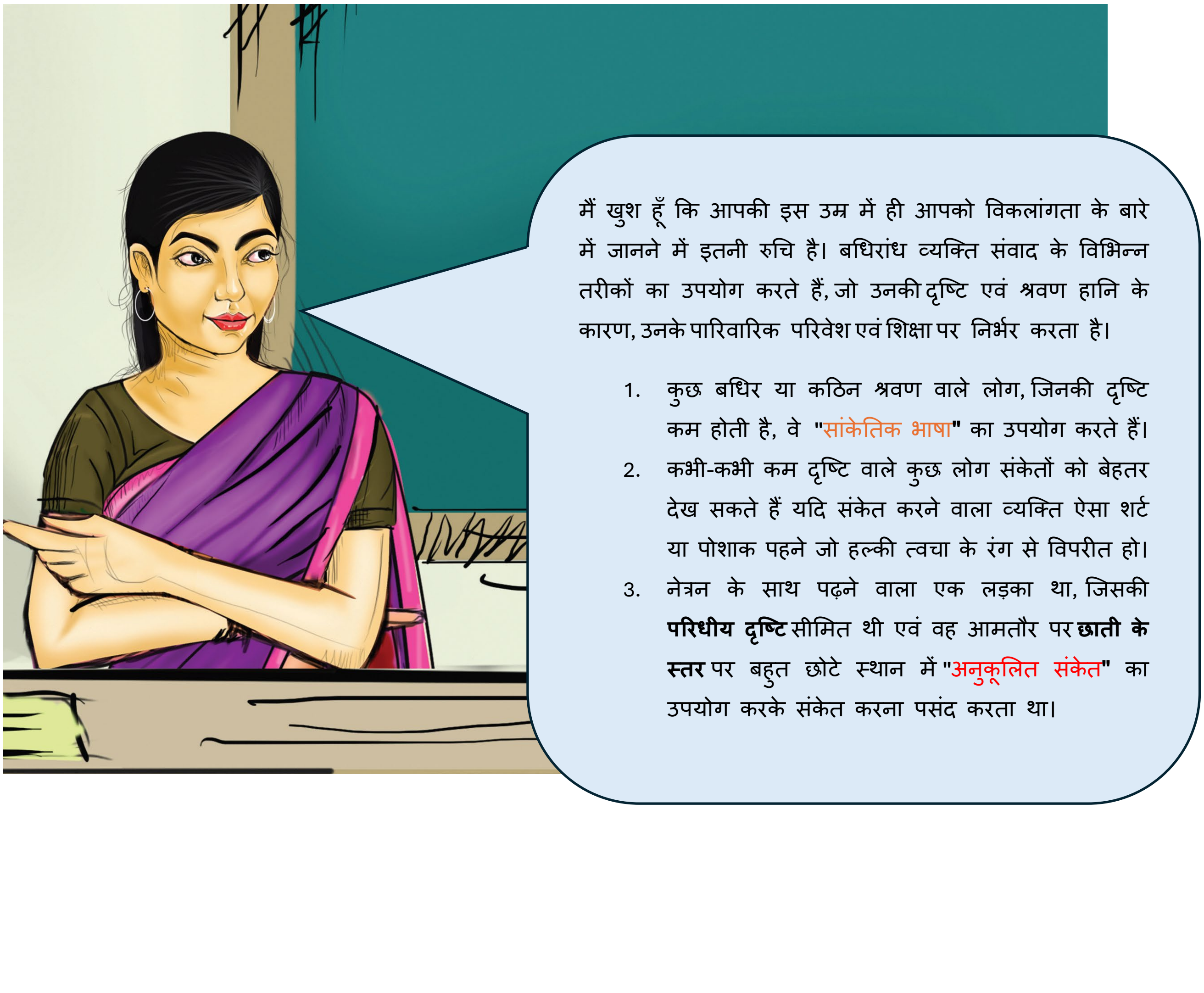
मैं खुश हूँ कि आपकी इस उम्र में ही आपको विकलांगता के बारे में जानने में इतनी रुचि है। बधिरांध व्यक्ति संवाद के विभिन्न तरीकों का उपयोग करते हैं, जो उनकी दृष्टि एवं श्रवण हानि के कारण, उनके पारिवारिक परिवेश एवं शिक्षा पर निर्भर करता है।
1. कुछ बधिर या कठिन श्रवण वाले लोग, जिनकी दृष्टि कम होती है, वे "सांकेतिक भाषा" का उपयोग करते हैं।
2. कभी-कभी कम दृष्टि वाले कुछ लोग संकेतों को बेहतर देख सकते हैं यदि संकेत करने वाला व्यक्ति ऐसा शर्ट या पोशाक पहने जो हल्की त्वचा के रंग से विपरीत हो।
3. नेत्रन के साथ पढ़ने वाला एक लड़का था, जिसकी **परिधीय दृष्टि** सीमित थी एवं वह आमतौर पर **छाती के स्तर** पर बहुत छोटे स्थान में "अनुकूलित संकेत" का उपयोग करके संकेत करना पसंद करता था।

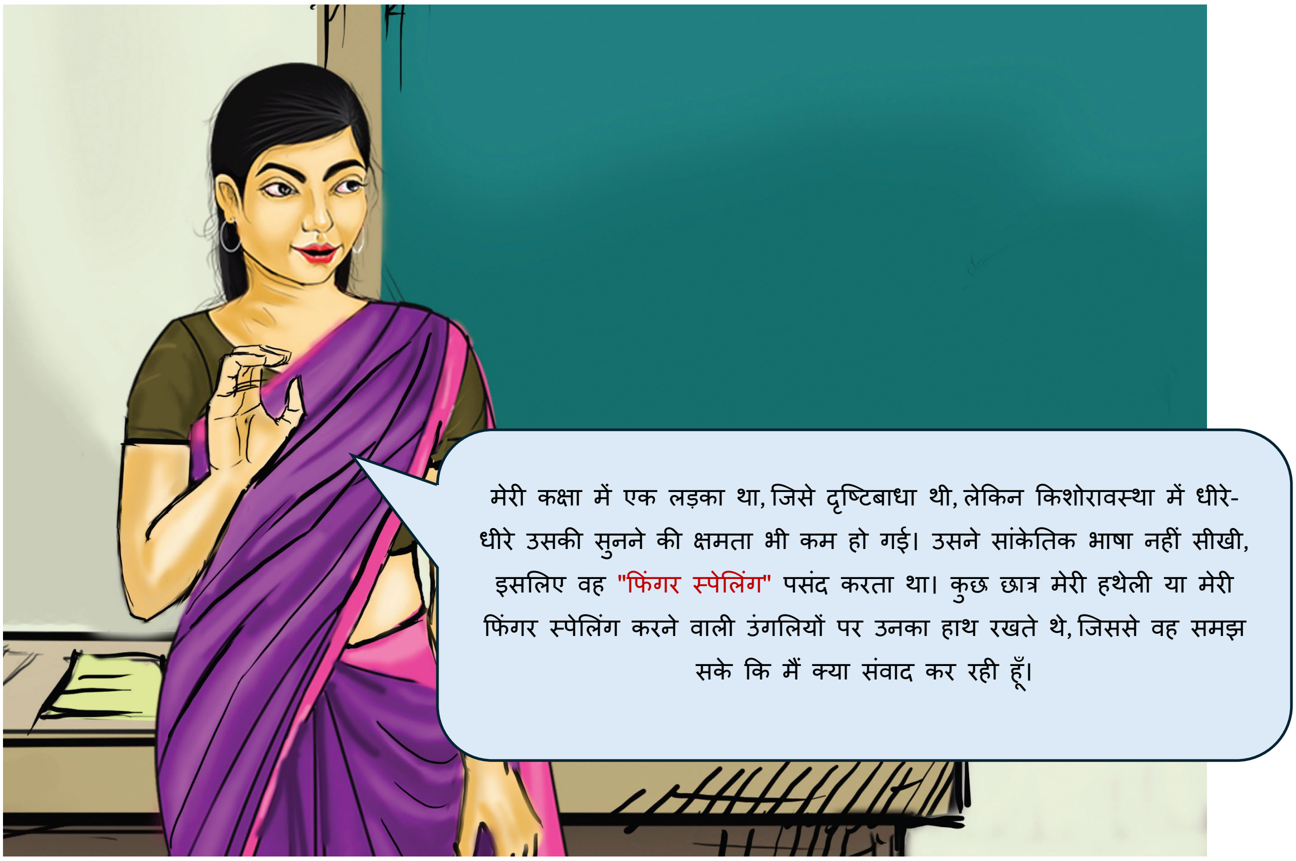
मेरी कक्षा में एक लड़का था, जिसे दृष्टिबाधा थी, लेकिन किशोरावस्था में धीरे-धीरे उसकी सुनने की क्षमता भी कम हो गई। उसने सांकेतिक भाषा नहीं सीखी, इसलिए वह "फिंगर स्पेलिंग" पसंद करता था। कुछ छात्र मेरी हथेली या मेरी फिंगर स्पेलिंग करने वाली उंगलियों पर उनका हाथ रखते थे, जिससे वह समझ सके कि मैं क्या संवाद कर रही हूँ।

कुछ बधिरांध व्यक्ति, जिनकी दृष्टि बहुत कम या न के बराबर होती है, वे बोलने वाले व्यक्ति की ठुड्डी पर हाथ रखते हैं एवं अन्य उंगलियां उसके गाल पर रखते हैं, जिससे वे उसकी आवाज़ के कंपन एवं होंठों की गति को "महसूस" कर सकें। इस विधि को "टाडोमा" कहा जाता है।

मुझे नेत्रन द्वारा उपयोग की जाने वाली एक विधि के बारे में पता है, जिसे "**स्पर्शात्मक संकेत भाषा**" कहा जाता है। आइए उस विशेष शिक्षक से मिलें, जिन्होंने नेत्रन को एक विशेष विद्यालय में सिखाया।

मैम! कृपया मुझे बताइए कि नेत्रन पढ़े एवं लिखेगा कैसे?

वर्णमाला

अंग्रेजी संस्करण

धन्यवाद मैम.!
मुझे यह सब समझाने
के लिए आपका बहुत
धन्यवाद...

एसएसए
विद्यालय
धन्यवाद शिक्षकगण! मेरे भाई नेत्रन एवं अन्य विशेष आवश्यकता वाले कई बच्चे, जैसे कि बधिरांध बच्चे, नियमित शिक्षा एवं विशेष विद्यालयों में पढ़ रहे हैं। विशेष एवं नियमित शिक्षा के बीच की खाई को पार करना मेरे विद्यालय के शिक्षकों की बदौलत संभव हो पाया है। हाँ!! हम साथ जी सकते हैं, सीख सकते हैं, खेल सकते हैं एवं बढ़ सकते हैं!!

संक्षिप्त सूचना

- बधिरांधता एक विशिष्ट विकलांगता है, जिसमें सुनने एवं देखने की क्षमता अलग-अलग स्तरों तक प्रभावित होती है।
- अनुमान लगाया जाता है कि भारत के दक्षिणी क्षेत्र में १००,५०० से अधिक लोग बधिरांधता/बहु-संवेदी अक्षमता (एमएसआई) से प्रभावित हैं, जिनमें से केवल ९,६०० को किसी न किसी प्रकार की शिक्षा एवं पुनर्वास सेवाएँ प्राप्त हो रही हैं। बहुत बड़ी संख्या में बधिरांधजन अभी भी हमारी पहुँच से बाहर हैं एवं उन्हें हमारी सेवाओं की आवश्यकता है। उपयुक्त जाँच एवं प्रारंभिक पहचान से बधिरांध बच्चों को उचित देखभाल मिल सकती है एवं दोहरी संवेदी हानि के प्रभाव को कम किया जा सकता है।
- द स्पास्टिक्स सोसाइटी ऑफ़ तमिलनाडु (एसपीएएसटीएन), चेन्नई बधिरांधता के लिए क्षेत्रीय शिक्षण केंद्र है एवं तमिलनाडु, तेलंगाना, केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश एवं पुडुचेरी में बधिरांधजनों के लिए सेवाओं का विस्तार कर रहा है। बधिरांधजनों तक सेवाएँ पहुँचाने का कार्य "अलगाव से समावेशन तक" परियोजना के अंतर्गत किया जा रहा है, जिसे सेंसे इंटरनेशनल इंडिया द्वारा सहायता प्राप्त एवं अज़ीम प्रेमजी फिलोनथरोपिक इनिश्यटिव (एपीपीआई) द्वारा वित्त प्रदत किया गया है।
- जिसे सेंसे इंटरनेशनल इंडिया, जिसे सेंसे इंडिया के नाम से भी जाना जाता है, १९९७ में भारत की पहली राष्ट्रीय गैर-सरकारी संस्था (एनजीओ) के रूप में स्थापित हुई, जिसका उद्देश्य बधिरांध जनों के लिए व्यापक सेवाओं एवं प्रशिक्षण का विकास करना है।
- सेंसे इंडिया बधिरांध व्यक्तियों एवं उनके परिवारों के साथ सक्रिय रूप से काम कर रही है ताकि उनकी समग्र विकास में मदद की जा सके एवं उन्हें समाज का सक्रिय एवं योगदान देने वाला सदस्य बनाया जा सके। यह संगठन २३ राज्यों में ५८ भागीदार संगठनों के माध्यम से ७७,००० से अधिक बधिरांध बच्चों एवं वयस्कों तक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहायता प्रदान कर रहा है।
- विकलांगजन अधिकार अधिनियम, २०१६ (आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम, २०१६) भारत में विकलांग व्यक्तियों को समान अवसर देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। यह अधिनियम भारतीय संविधान के अनुच्छेद २५३ एवं संघ सूची की प्रविष्टि संख्या १३ के अंतर्गत लागू किया गया, जिसमें बधिरांधता सहित बहु-विकलांगता को दिव्यांगता के प्रकारों में शामिल किया गया है।
- सेंसे इंटरनेशनल इंडिया **का बधिरांधता सहायता टोल-फ्री नंबर: १८००२३३७९१३**

क्षेत्रीय बधिरांध अध्ययन केंद्र (आरएलसी) दक्षिण
द स्पास्टिक्स सोसाइटी ऑफ तमिलनाडु (एसपीएएसटीएन)
सीएसआईआर रोड, तारामणि, चेन्नई ६०० ११३.
फोन: २२५४१६५१, २२५४१५४२ फैक्स: २२५४१०४७
ईमेल: thespasticssocietyoftamilnadu@gmail.com
spastnrlc@gmail.com | www.spastn.org

द स्पास्टिक्स सोसाइटी ऑफ़ तमिलनाडु
(एसपीएएसटीएन)